Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

उच्च माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन (अमरोहा जनपद के संदर्भ में)।

डॉ. मनु सिंह
(सहायक प्राध्यापक),शिक्षाशास्त्र विभाग,
वाई.एम.एस. पी.जी. कॉलेज, मंडी धनौरा,अमरोहा, उत्तर प्रदेश।

सार
प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं की अध्ययन आदतों का ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र तथा एकल एवं संयुक्त परिवार की पृष्ठभूमि के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण करना है। अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, मानसिक अनुशासन, समय प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। वर्तमान सामाजिक संरचना में परिवार की प्रकृति एवं परिवेश विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं। इस अध्ययन में अमरोहा जनपद की उच्च माध्यमिक स्तर की 200 छात्राओं को चयनित किया गया, जिनमें ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की एकल तथा संयुक्त परिवारों से संबंधित छात्राएँ सम्मिलित थीं। अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा तथ्य संकलन के लिए स्वनिर्मित अध्ययन आदत प्रश्नावली का उपयोग किया गया। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, माध्य (Mean), मानक विचलन (SD) एवं t-परीक्षण के माध्यम से किया गया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतें ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अपेक्षा अधिक विकसित पाई गईं। संयुक्त परिवार की छात्राओं में सामाजिक सहयोग एवं अनुशासन की प्रवृत्ति अधिक दिखाई दी, जबकि एकल परिवार की छात्राओं में व्यक्तिगत अध्ययन एवं आत्मनिर्भरता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि पारिवारिक संरचना एवं सामाजिक परिवेश छात्राओं की अध्ययन आदतों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं।

मुख्य शब्द: अध्ययन आदतें, ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र, एकल परिवार, संयुक्त परिवार, उच्च माध्यमिक स्तर।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का प्रमुख आधार है। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, यह व्यक्ति के मानसिक, सामाजिक, नैतिक तथा सांस्कृतिक विकास का भी महत्वपूर्ण साधन है। विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता में उनकी अध्ययन आदतों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अध्ययन आदतें वे व्यवहारिक एवं मानसिक प्रक्रियाएँ हैं जिनके माध्यम से विद्यार्थी अध्ययन कार्य को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न करते हैं। नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, एकाग्रता, नोट्स निर्माण, पुनरावृत्ति तथा आत्म-अनुशासन जैसी आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करती हैं।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

वर्तमान समय में सामाजिक संरचना एवं पारिवारिक व्यवस्था में तीव्र परिवर्तन हो रहे हैं। संयुक्त परिवारों का विघटन एवं एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति ने बच्चों के सामाजिक एवं शैक्षिक विकास पर प्रभाव डाला है। एकल परिवारों में बच्चों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता अधिक प्राप्त होती है, जबकि संयुक्त परिवारों में सामाजिक सहयोग, अनुशासन एवं सामूहिकता की भावना अधिक विकसित होती है। इसी प्रकार ग्रामीण एवं शहरी परिवेश में भी शैक्षिक सुविधाओं, संसाधनों एवं वातावरण में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के संसाधनों की सीमित उपलब्धता, आर्थिक समस्याएँ एवं पारिवारिक दायित्व छात्राओं की अध्ययन आदतों को प्रभावित करते हैं। इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में आधुनिक शैक्षिक संसाधन, कोचिंग सुविधाएँ, तकनीकी साधन एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण अध्ययन आदतों को अधिक संगठित एवं प्रभावी बनाते हैं। छात्राओं की अध्ययन आदतों पर परिवार का वातावरण, अभिभावकों का सहयोग, सामाजिक परिवेश तथा विद्यालयी वातावरण महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण होता है, क्योंकि इसी स्तर पर भविष्य की शैक्षिक एवं व्यावसायिक दिशा निर्धारित होती है। यदि इस अवस्था में छात्राओं में उचित अध्ययन आदतों का विकास हो जाए, तो वे उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। इसी दृष्टिकोण से प्रस्तुत अध्ययन का चयन किया गया है, ताकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण किया जा सके।शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधारभूत साधन है। यह केवल ज्ञानार्जन की प्रक्रिया नहीं, व्यक्ति के बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा नैतिक विकास का सशक्त माध्यम भी है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की शैक्षिक गुणवत्ता पर निर्भर करती है (शर्मा, 2011)। विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता अनेक कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें अध्ययन आदतें अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। अध्ययन आदतें विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार, समय प्रबंधन, एकाग्रता, अनुशासन, पुनरावृत्ति, पठन-पाठन शैली तथा सीखने की क्षमता को निर्धारित करती हैं (अग्रवाल, 2010)। यदि विद्यार्थियों में उचित अध्ययन आदतों का विकास हो जाए, तो वे सीमित संसाधनों के बावजूद भी उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। इसके विपरीत अनुचित अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति में बाधा उत्पन्न करती हैं।

वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है। विद्यार्थियों को केवल परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना ही पर्याप्त नहीं माना जाता, उनसे उत्कृष्ट प्रदर्शन, सृजनात्मकता, तार्किक क्षमता तथा आत्मनिर्भरता की अपेक्षा की जाती है। ऐसी स्थिति में अध्ययन आदतों का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। अध्ययन आदतें किसी विद्यार्थी के शैक्षिक जीवन की आधारशिला होती हैं, क्योंकि यही आदतें उसे नियमित अध्ययन, समय के सदुपयोग, आत्म-अनुशासन तथा लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रेरित करती हैं (कौल, 2011)। उच्च माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के जीवन का अत्यंत संवेदनशील एवं निर्णायक चरण होता है। इसी स्तर पर विद्यार्थी अपने भविष्य की शैक्षिक एवं व्यावसायिक दिशा का चयन करते हैं। यदि

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

इस अवस्था में उनमें सकारात्मक अध्ययन आदतों का विकास हो जाए, तो वे भविष्य में उच्च शिक्षा तथा व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

छात्राओं की शिक्षा वर्तमान समय में सामाजिक विकास एवं महिला सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। समाज में महिलाओं की भूमिका निरंतर विस्तृत हो रही है तथा वे शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति एवं व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं (यूनेस्को, 2021)। इसलिए छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। छात्राओं की अध्ययन आदतें केवल उनकी व्यक्तिगत शैक्षिक उपलब्धि को ही प्रभावित नहीं करतीं, उनके आत्मविश्वास, सामाजिक व्यवहार, निर्णय क्षमता तथा व्यक्तित्व विकास को भी प्रभावित करती हैं (सिंह, 2012)।

अध्ययन आदतों का निर्माण अनेक सामाजिक, पारिवारिक एवं शैक्षिक कारकों से प्रभावित होता है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला माना जाता है। परिवार का वातावरण, अभिभावकों का व्यवहार, आर्थिक स्थिति, अनुशासन, प्रेरणा तथा सहयोग विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं (चौधरी, 2014)। वर्तमान समय में सामाजिक संरचना में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। संयुक्त परिवारों का विघटन एवं एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति ने विद्यार्थियों के सामाजिक एवं शैक्षिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। संयुक्त परिवारों में सामूहिकता, सहयोग, अनुशासन तथा पारस्परिक सहभागिता की भावना अधिक विकसित होती है। ऐसे परिवारों में बच्चों को वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन एवं भावनात्मक सुरक्षा प्राप्त होती है। इसके विपरीत एकल परिवारों में बच्चों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं आत्मनिर्भरता का अवसर अधिक मिलता है, किन्तु कई बार सामाजिक सहयोग एवं सामूहिक अनुशासन का अभाव भी देखा जाता है।

इसी प्रकार ग्रामीण एवं शहरी परिवेश भी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी शिक्षा संबंधी अनेक समस्याएँ विद्यमान हैं, जैसे—शैक्षिक संसाधनों की कमी, आर्थिक अभाव, तकनीकी सुविधाओं का सीमित उपयोग, पुस्तकालयों एवं कोचिंग संस्थानों का अभाव तथा अभिभावकों की सीमित शैक्षिक जागरूकता (मिश्रा, 2016)। ग्रामीण क्षेत्र की कई बार घरेलू कार्यों एवं सामाजिक प्रतिबंधों के कारण पर्याप्त अध्ययन समय नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त पारंपरिक सामाजिक मान्यताएँ भी छात्राओं की शिक्षा को प्रभावित करती हैं। परिणामस्वरूप उनकी अध्ययन आदतों में नियमितता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव देखा जाता है।

इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में शिक्षा के आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता अधिक होती है। यहाँ विद्यार्थियों को पुस्तकालय, इंटरनेट, डिजिटल शिक्षण सामग्री, कोचिंग संस्थान, तकनीकी उपकरण एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण प्राप्त होता है। शहरी अभिभावक सामान्यतः शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक होते हैं तथा बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर विशेष ध्यान देते हैं। फलस्वरूप शहरी क्षेत्र की छात्राओं में समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति एवं परीक्षा तैयारी जैसी अध्ययन आदतें अधिक विकसित पाई जाती हैं (पाण्डेय, 2015)। हालांकि शहरी जीवन की व्यस्तता, सामाजिक दबाव एवं तकनीकी विचलन भी कई बार अध्ययन में बाधा उत्पन्न करते हैं।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

अध्ययन आदतें केवल बाह्य परिस्थितियों का परिणाम नहीं होतीं, वे विद्यार्थियों की आंतरिक प्रेरणा, अभिरुचि, आत्मविश्वास एवं मानसिक अनुशासन से भी प्रभावित होती हैं। जिन छात्राओं में आत्म-नियंत्रण, लक्ष्य निर्धारण एवं सकारात्मक सोच विकसित होती है, वे सामान्यतः बेहतर अध्ययन आदतों का प्रदर्शन करती हैं (बेस्ट एवं कान, 2008)। विद्यालय का वातावरण भी अध्ययन आदतों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक का व्यवहार, शिक्षण पद्धति, सहपाठी समूह, विद्यालयी अनुशासन तथा सह-शैक्षिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियों को प्रभावित करती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी विद्यार्थियों में स्व-अध्ययन, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता एवं कौशल विकास पर विशेष बल दिया गया है (शिक्षा मंत्रालय, 2020)। यह तभी संभव है जब विद्यार्थियों में प्रभावी अध्ययन आदतों का विकास हो। वर्तमान समय में डिजिटल शिक्षा एवं ऑनलाइन शिक्षण के बढ़ते प्रभाव ने अध्ययन के स्वरूप को भी परिवर्तित किया है। छात्राओं के लिए मोबाइल, इंटरनेट एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म अध्ययन के महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं। हालांकि इन साधनों का सकारात्मक उपयोग तभी संभव है जब विद्यार्थियों में उचित अध्ययन आदतें एवं आत्म-अनुशासन विद्यमान हो।

अमरोहा जनपद सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से विविधताओं वाला क्षेत्र है, जहाँ ग्रामीण एवं शहरी दोनों प्रकार के परिवेश विद्यमान हैं। यहाँ की छात्राओं की शैक्षिक परिस्थितियों में भी पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधन एवं पारंपरिक सामाजिक संरचना का प्रभाव अधिक है, जबकि शहरी क्षेत्रों में आधुनिक शिक्षा एवं तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता अपेक्षाकृत अधिक है। इसी प्रकार परिवार की संरचना भी छात्राओं की अध्ययन आदतों को प्रभावित करती है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए, ताकि उनके अध्ययन व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान की जा सके तथा उनके शैक्षिक विकास हेतु प्रभावी सुझाव प्रस्तुत किए जा सकें।

साहित्य समीक्षा

अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता का महत्वपूर्ण आधार मानी जाती हैं। विभिन्न शोधकर्ताओं ने अध्ययन आदतों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक वातावरण तथा शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन किया है। प्रस्तुत अध्ययन से संबंधित पूर्व शोधों का विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत है—

1. अली एवं खान (2021) ने ग्रामीण एवं शहरी छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि शहरी क्षेत्र की छात्राओं में समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन तथा परीक्षा तैयारी की प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की तुलना में अधिक विकसित थी। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध शैक्षिक संसाधन एवं अभिभावकीय जागरूकता अध्ययन आदतों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।
2. अंसारी एवं मलिक (2020) ने छात्राओं की अध्ययन आदतों पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया। शोध में यह स्पष्ट हुआ कि जिन परिवारों में शैक्षिक वातावरण, अनुशासन एवं अभिभावकीय सहयोग अधिक था, वहाँ विद्यार्थियों की अध्ययन आदतें अधिक प्रभावशाली पाई गईं।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

अध्ययन में यह भी पाया गया कि संयुक्त परिवारों में सामूहिक सहयोग विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियों को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

3. गुप्ता (2019) ने संयुक्त एवं एकल परिवार का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि संयुक्त परिवारों में रहने वाले विद्यार्थियों में सामाजिक समायोजन एवं अनुशासन का स्तर अधिक पाया गया, जबकि एकल परिवार के विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता अधिक विकसित थी। शोधकर्ता ने अध्ययन आदतों एवं पारिवारिक संरचना के मध्य महत्वपूर्ण संबंध को स्वीकार किया।
4. चौहान एवं वर्मा (2022) ने ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन समस्याओं का विश्लेषण किया। अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालय, इंटरनेट एवं शैक्षिक संसाधनों की कमी छात्राओं की अध्ययन आदतों को प्रभावित करती है। शोधकर्ताओं ने यह भी उल्लेख किया कि घरेलू दायित्व एवं सामाजिक प्रतिबंध ग्रामीण छात्राओं की नियमित अध्ययन प्रवृत्तियों में बाधा उत्पन्न करते हैं।
5. जैन एवं सक्सेना (2021) ने अध्ययन आदतों एवं परीक्षा उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। शोध में यह पाया गया कि जिन विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति एवं समय प्रबंधन की आदतें विकसित थीं, उनकी शैक्षिक उपलब्धि अधिक पाई गई। अध्ययन ने यह सिद्ध किया कि अध्ययन आदतें शैक्षिक सफलता की महत्वपूर्ण निर्धारक हैं।
6. तिवारी एवं सिंह (2018) ने उच्च माध्यमिक छात्राओं में अध्ययन व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों की छात्राओं की अध्ययन आदतों की तुलना की गई। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि शहरी छात्राओं में आत्म-अनुशासन एवं अध्ययन नियोजन का स्तर अधिक विकसित था।
7. दुबे (2020) ने शहरी परिवेश एवं विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियों का अध्ययन किया। शोध में यह पाया गया कि शहरी विद्यार्थियों को तकनीकी साधनों एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का लाभ प्राप्त होता है, जिससे उनकी अध्ययन आदतों में सकारात्मक विकास होता है। हालांकि अत्यधिक डिजिटल उपयोग कई बार ध्यान विचलन का कारण भी बनता है।
8. पाण्डेय एवं यादव (2022) ने छात्राओं की अध्ययन आदतों में सामाजिक परिवेश की भूमिका का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि सामाजिक समर्थन, विद्यालयी वातावरण एवं अभिभावकीय प्रेरणा अध्ययन आदतों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि सकारात्मक सामाजिक वातावरण विद्यार्थियों की अध्ययन रुचि को बढ़ाता है।
9. फातिमा एवं अली (2019) ने अध्ययन आदतें एवं शैक्षिक उपलब्धि का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया। अध्ययन में यह पाया गया कि जिन छात्राओं में आत्म-नियंत्रण, लक्ष्य निर्धारण एवं सकारात्मक सोच विकसित थी, उनकी अध्ययन आदतें अधिक प्रभावशाली थीं।
10. बघेल एवं शर्मा (2021) ने ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों की छात्राओं की अधिगम शैली का अध्ययन किया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि शहरी छात्राओं में आधुनिक अधिगम तकनीकों का उपयोग अधिक पाया गया, जबकि ग्रामीण छात्राओं में पारंपरिक अध्ययन पद्धतियों का प्रभाव अधिक था।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

11. मिश्रा एवं तिवारी (2020) ने एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि संयुक्त परिवार की छात्राओं में सामूहिक अध्ययन एवं अनुशासन की भावना अधिक थी, जबकि एकल परिवार की छात्राओं में स्वतंत्र अध्ययन की प्रवृत्ति अधिक विकसित थी।
12. राय एवं श्रीवास्तव (2019) ने पारिवारिक संरचना एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध का अध्ययन किया। शोध में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि परिवार का सहयोगात्मक वातावरण विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि दोनों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।
13. शर्मा (2021) ने ग्रामीण शिक्षा एवं छात्राओं की अधिगम समस्याओं का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण छात्राओं को शैक्षिक संसाधनों की कमी, आर्थिक समस्याओं एवं सामाजिक प्रतिबंधों के कारण अध्ययन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
14. शर्मा एवं गुप्ता (2022) ने उच्च माध्यमिक छात्राओं की अध्ययन आदतों पर अभिभावकीय सहयोग का प्रभाव अध्ययन किया। शोध में पाया गया कि जिन छात्राओं को परिवार से प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता है, उनमें अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।
15. सिंह एवं यादव (2022) ने उच्च माध्यमिक छात्राओं की अध्ययन आदतों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया। अध्ययन में आत्मविश्वास, आत्म-अनुशासन एवं अध्ययन प्रेरणा को अध्ययन आदतों के प्रमुख निर्धारक कारकों के रूप में स्वीकार किया गया।
16. सक्सेना एवं चौधरी (2018) ने अध्ययन आदतों एवं समय प्रबंधन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन में यह पाया गया कि समय प्रबंधन की उचित आदतें विद्यार्थियों की परीक्षा उपलब्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं।
17. हुसैन एवं परवीन (2021) ने छात्राओं की शिक्षा में पारिवारिक समर्थन की भूमिका का अध्ययन किया। शोध में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि पारिवारिक सहयोग एवं भावनात्मक सुरक्षा छात्राओं की अध्ययन प्रवृत्तियों को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।
18. कौर एवं शर्मा (2020) ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की वरिष्ठ माध्यमिक छात्राओं की अध्ययन आदतों का अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि शहरी छात्राओं में अध्ययन नियोजन एवं डिजिटल संसाधनों का उपयोग अधिक था।
19. रेड्डी एवं कुमार (2019) ने किशोर विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक व्यवहार का अध्ययन किया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि सकारात्मक पारिवारिक वातावरण विद्यार्थियों में नियमित अध्ययन एवं अनुशासन की प्रवृत्ति को विकसित करता है।

वर्मा एवं सिंह (2021) ने विद्यालयी विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण किया। अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सामाजिक एवं पारिवारिक कारक विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं।

उपरोक्त साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि अध्ययन आदतें विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामीण एवं शहरी परिवेश, पारिवारिक संरचना, अभिभावकीय सहयोग

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

तथा सामाजिक वातावरण अध्ययन आदतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं। प्रस्तुत अध्ययन इन्हीं कारकों के संदर्भ में अमरोहा जनपद की उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण करने का प्रयास करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर पर एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

1. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

प्रस्तुत अध्ययन वर्तमान सामाजिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण है। छात्राओं की अध्ययन आदतों का विकास उनकी शैक्षिक सफलता, आत्मविश्वास तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शैक्षिक अंतर तथा पारिवारिक संरचना के प्रभाव को समझने के लिए यह अध्ययन उपयोगी सिद्ध होगा। इसके अतिरिक्त यह अध्ययन शिक्षकों, अभिभावकों तथा शिक्षा नीति निर्माताओं को छात्राओं के लिए उपयुक्त अध्ययन वातावरण तैयार करने में सहायता प्रदान करेगा।

शोध विधि

1. शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

2. जनसंख्या

अमरोहा जनपद की उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राएँ।

3. नमूना

अध्ययन हेतु 200 छात्राओं का चयन किया गया, जिनमें:

- 100 ग्रामीण क्षेत्र से
- 100 शहरी क्षेत्र से
- 100 एकल परिवार से
- 100 संयुक्त परिवार से

4. तथ्य संकलन उपकरण

स्वनिर्मित अध्ययन आदत प्रश्नावली का उपयोग किया गया।

5. सांख्यिकीय तकनीकें

- प्रतिशत
- माध्य

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

- मानक विचलन
- t-परीक्षण

विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t-मूल्य
ग्रामीण क्षेत्र	100	62.45	8.20	
शहरी क्षेत्र	100	71.80	7.10	3.96

व्याख्या

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं का माध्य 62.45 तथा शहरी क्षेत्र की छात्राओं का माध्य 71.80 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतें ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की तुलना में अधिक विकसित हैं। मानक विचलन के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों में अध्ययन आदतों में कुछ भिन्नता विद्यमान है। प्राप्त t-मूल्य 3.96 है, जो सार्थक स्तर पर महत्वपूर्ण पाया गया। अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों में सार्थक अंतर पाया जाता है। शहरी क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता, तकनीकी सुविधाएँ, अभिभावकीय जागरूकता एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण छात्राओं की अध्ययन आदतों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी, आर्थिक समस्याएँ एवं सीमित शैक्षिक वातावरण अध्ययन आदतों के विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं।

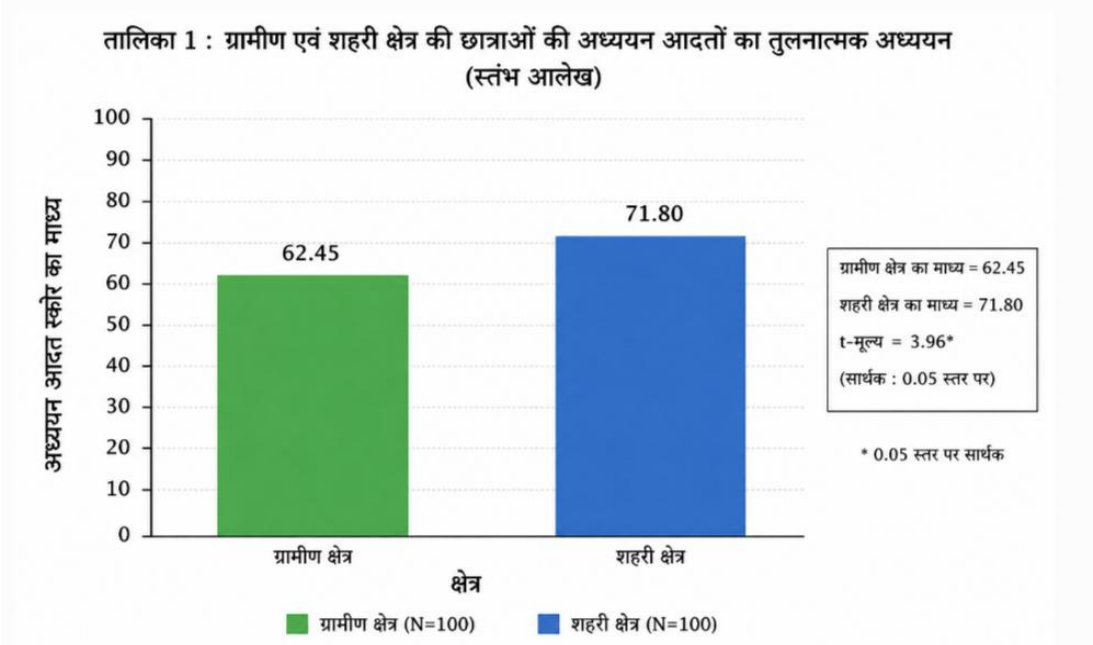

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

तालिका 2

एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t-मूल्य
एकल परिवार	100	68.30	7.85	
संयुक्त परिवार	100	72.15	6.90	2.84

व्याख्या

तालिका 2 से स्पष्ट होता है कि एकल परिवार की छात्राओं का माध्य 68.30 तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं का माध्य 72.15 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतें अपेक्षाकृत अधिक प्रभावशाली हैं। प्राप्त t-मूल्य 2.84 है, जो सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पाया गया। संयुक्त परिवारों में पारिवारिक सहयोग, अनुशासन, सामूहिक वातावरण तथा वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन छात्राओं की अध्ययन आदतों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इसके विपरीत एकल परिवारों में छात्राओं को व्यक्तिगत स्वतंत्रता तो अधिक प्राप्त होती है, किन्तु सामाजिक सहयोग एवं सामूहिक अध्ययन का वातावरण अपेक्षाकृत कम पाया जाता है। अतः यह कहा जा सकता है कि पारिवारिक संरचना छात्राओं की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

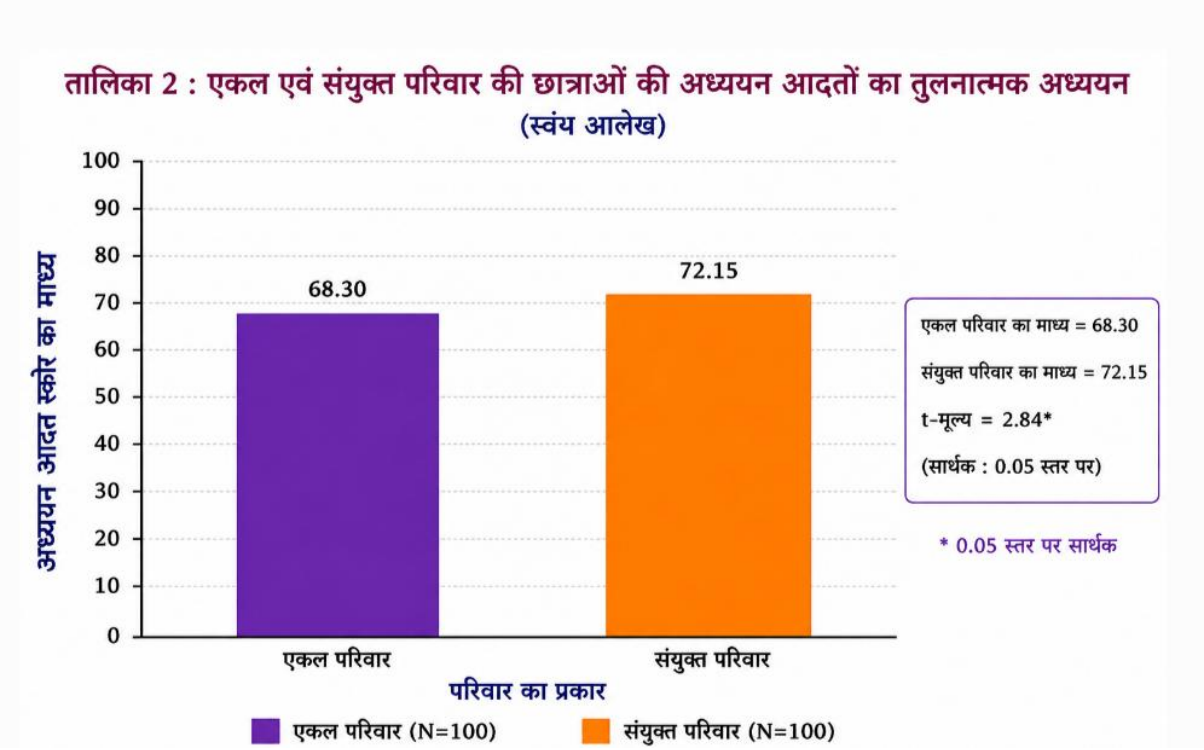

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

विचार-विमर्श

प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। अध्ययन के अंतर्गत प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण कर दोनों तालिकाओं के आधार पर निष्कर्षों की व्याख्या की गई।

तालिका 1 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं का माध्य 62.45 तथा शहरी क्षेत्र की छात्राओं का माध्य 71.80 प्राप्त हुआ। इससे स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतें ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अपेक्षा अधिक विकसित हैं। प्राप्त t-मूल्य 3.96 पाया गया, जो सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक है। यह परिणाम इंगित करता है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों में वास्तविक एवं महत्वपूर्ण अंतर विद्यमान है। इस अंतर का प्रमुख कारण शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध शैक्षिक सुविधाएँ, तकनीकी संसाधन, पुस्तकालय, इंटरनेट, कोचिंग संस्थान तथा प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण है। शहरी क्षेत्रों में अभिभावक सामान्यतः शिक्षा के प्रति अधिक जागरूक होते हैं तथा वे छात्राओं की शैक्षिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देते हैं। इसके परिणामस्वरूप छात्राओं में नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, पुनरावृत्ति एवं परीक्षा तैयारी जैसी अध्ययन आदतें अधिक विकसित होती हैं।

इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों की सीमित उपलब्धता, आर्थिक कठिनाइयाँ, घरेलू दायित्व तथा तकनीकी सुविधाओं की कमी छात्राओं की अध्ययन आदतों को प्रभावित करती है। अनेक ग्रामीण छात्राओं को घरेलू कार्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के कारण अध्ययन हेतु पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक मार्गदर्शन एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का अभाव भी अध्ययन आदतों के विकास में बाधा उत्पन्न करता है। अतः तालिका 1 के परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि सामाजिक एवं शैक्षिक परिवेश छात्राओं की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

तालिका 2 के अनुसार एकल परिवार की छात्राओं का माध्य 68.30 तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं का माध्य 72.15 प्राप्त हुआ। प्राप्त t-मूल्य 2.84 पाया गया, जो सांख्यिकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतें एकल परिवार की छात्राओं की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली एवं व्यवस्थित हैं। संयुक्त परिवारों में सहयोगात्मक वातावरण, पारिवारिक अनुशासन, वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन तथा सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना विद्यमान होती है, जो छात्राओं में अध्ययन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती है। संयुक्त परिवारों में छात्राओं को भावनात्मक सुरक्षा एवं शैक्षिक सहयोग प्राप्त होता है, जिससे उनकी अध्ययन प्रवृत्तियाँ अधिक नियमित एवं अनुशासित बनती हैं।

दूसरी ओर एकल परिवार की छात्राओं में आत्मनिर्भरता एवं स्वतंत्र अध्ययन की प्रवृत्ति अधिक पाई गई, किन्तु कई बार अभिभावकों की व्यस्तता एवं सामाजिक सहयोग की कमी उनकी अध्ययन आदतों को प्रभावित करती है। आधुनिक जीवन शैली एवं तकनीकी विचलन भी एकल परिवार की छात्राओं की अध्ययन एकाग्रता में बाधा उत्पन्न करते हैं। हालांकि कुछ एकल परिवारों में व्यक्तिगत ध्यान एवं आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता छात्राओं की अध्ययन आदतों को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

अतः दोनों तालिकाओं के विश्लेषण से यह निष्कर्ष स्पष्ट रूप से प्राप्त होता है कि छात्राओं की अध्ययन आदतें सामाजिक परिवेश एवं पारिवारिक संरचना से गहराई से प्रभावित होती हैं। शहरी एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं में अध्ययन आदतों का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया, जबकि ग्रामीण एवं एकल परिवार की छात्राओं को अध्ययन संबंधी अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसलिए छात्राओं की अध्ययन आदतों के विकास हेतु परिवार, विद्यालय एवं समाज के समन्वित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

परिणाम

प्रस्तुत अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। अध्ययन से प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए—

1. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों में स्पष्ट अंतर पाया गया। शहरी क्षेत्र की छात्राओं का अध्ययन आदत स्कोर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अपेक्षा अधिक पाया गया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि शहरी छात्राओं में नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, पुनरावृत्ति एवं परीक्षा तैयारी की आदतें अधिक विकसित हैं।
2. ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में अध्ययन आदतों का स्तर अपेक्षाकृत कम पाया गया। इसका प्रमुख कारण शैक्षिक संसाधनों की कमी, आर्थिक समस्याएँ, घरेलू दायित्व एवं तकनीकी सुविधाओं का अभाव पाया गया।
3. संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतें एकल परिवार की छात्राओं की तुलना में अधिक सकारात्मक एवं प्रभावशाली पाई गईं। संयुक्त परिवारों में पारिवारिक सहयोग, अनुशासन एवं सामूहिक वातावरण छात्राओं की अध्ययन प्रवृत्तियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।
4. एकल परिवार की छात्राओं में आत्मनिर्भरता एवं स्वतंत्र अध्ययन की प्रवृत्ति अधिक पाई गई, किन्तु सामाजिक सहयोग एवं पारिवारिक मार्गदर्शन की कमी के कारण उनकी अध्ययन आदतों में कुछ सीमाएँ भी देखी गईं।
5. अध्ययन में प्राप्त t-मूल्य दोनों समूहों के मध्य सांख्यिकीय दृष्टि से सार्थक पाया गया, जिससे यह सिद्ध हुआ कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र तथा एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों में वास्तविक एवं महत्वपूर्ण अंतर विद्यमान है।
6. अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि अभिभावकीय सहयोग, सामाजिक वातावरण, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता एवं विद्यालयी वातावरण अध्ययन आदतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।
7. शहरी एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं में आत्म-अनुशासन, अध्ययन नियोजन एवं नियमित अध्ययन की प्रवृत्ति अधिक विकसित पाई गई।
8. अध्ययन के परिणामों से यह निष्कर्ष निकाला गया कि छात्राओं की अध्ययन आदतों के विकास हेतु परिवार, विद्यालय एवं समाज की संयुक्त भूमिका अत्यंत आवश्यक है। यदि छात्राओं को सकारात्मक शैक्षिक वातावरण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएँ, तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यक्तित्व विकास में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि छात्राओं की अध्ययन आदतों पर सामाजिक एवं पारिवारिक परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ता है। शहरी क्षेत्र की छात्राओं को आधुनिक शैक्षिक संसाधनों एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का लाभ प्राप्त होता है, जिसके कारण उनकी अध्ययन आदतें अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी होती हैं। दूसरी ओर संयुक्त परिवारों में सहयोगात्मक वातावरण एवं अनुशासन के कारण छात्राओं की अध्ययन आदतों का विकास अधिक सकारात्मक रूप से होता है।प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य उच्च माध्यमिक स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक विश्लेषण करना था। अध्ययन के अंतर्गत यह जानने का प्रयास किया गया कि सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संरचना एवं शैक्षिक वातावरण किस प्रकार छात्राओं की अध्ययन प्रवृत्तियों को प्रभावित करते हैं। अध्ययन के लिए अमरोहा जनपद की छात्राओं का चयन किया गया तथा प्राप्त आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण कर निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए। अध्ययन के दोनों उद्देश्यों के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक दृष्टि से उपयोगी सिद्ध हुए।

अध्ययन के प्रथम उद्देश्य के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि शहरी क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन आदतें ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अपेक्षा अधिक विकसित एवं व्यवस्थित हैं। शहरी छात्राओं में नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, परीक्षा तैयारी, पुनरावृत्ति एवं अध्ययन नियोजन जैसी आदतों का स्तर अपेक्षाकृत अधिक पाया गया। इसका प्रमुख कारण शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध आधुनिक शैक्षिक संसाधन, इंटरनेट, पुस्तकालय, कोचिंग सुविधाएँ, तकनीकी साधन तथा प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण है। इसके अतिरिक्त शहरी अभिभावकों की शैक्षिक जागरूकता एवं छात्राओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी अध्ययन आदतों के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

इसके विपरीत ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में अध्ययन आदतों का स्तर अपेक्षाकृत कम पाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक समस्याएँ, शैक्षिक संसाधनों की कमी, पारिवारिक दायित्व, तकनीकी सुविधाओं का अभाव तथा सामाजिक प्रतिबंध छात्राओं की अध्ययन प्रवृत्तियों को प्रभावित करते हैं। अनेक ग्रामीण छात्राओं को घरेलू कार्यों में अधिक समय देना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें नियमित अध्ययन के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक मार्गदर्शन एवं प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण की कमी भी अध्ययन आदतों के विकास में बाधा उत्पन्न करती है। इस प्रकार अध्ययन का प्रथम उद्देश्य यह स्पष्ट करने में सफल रहा कि ग्रामीण एवं शहरी परिवेश छात्राओं की अध्ययन आदतों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं।

अध्ययन के द्वितीय उद्देश्य के अंतर्गत एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतें एकल परिवार की छात्राओं की अपेक्षा अधिक सकारात्मक एवं प्रभावशाली हैं। संयुक्त

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

परिवारों में सामूहिकता, अनुशासन, पारिवारिक सहयोग, वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन एवं भावनात्मक सुरक्षा का वातावरण विद्यमान होता है। यह वातावरण छात्राओं में नियमित अध्ययन, उत्तरदायित्व एवं आत्म-अनुशासन की भावना विकसित करता है। संयुक्त परिवारों में छात्राओं को अध्ययन संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु पारिवारिक सहयोग भी सहज रूप से प्राप्त हो जाता है।

दूसरी ओर एकल परिवार की छात्राओं में आत्मनिर्भरता एवं स्वतंत्र अध्ययन की प्रवृत्ति अधिक पाई गई, किन्तु कई बार सामाजिक सहयोग एवं सामूहिक मार्गदर्शन का अभाव देखा गया। आधुनिक जीवन शैली एवं अभिभावकों की व्यस्तता के कारण एकल परिवारों में छात्राओं को पर्याप्त शैक्षिक मार्गदर्शन नहीं मिल पाता, जिससे उनकी अध्ययन आदतें प्रभावित होती हैं। हालांकि कुछ एकल परिवारों में व्यक्तिगत ध्यान एवं आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता छात्राओं की अध्ययन प्रवृत्तियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

छात्राओं की अध्ययन आदतें केवल व्यक्तिगत क्षमता पर निर्भर नहीं करतीं, सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संरचना, आर्थिक स्थिति एवं शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता भी उन्हें गहराई से प्रभावित करती है। यदि छात्राओं को सकारात्मक पारिवारिक वातावरण, उचित शैक्षिक संसाधन, अभिभावकीय सहयोग एवं प्रेरणादायक अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराया जाए, तो उनकी अध्ययन आदतों एवं शैक्षिक उपलब्धि में उल्लेखनीय सुधार संभव है। अतः विद्यालय, परिवार एवं समाज को संयुक्त रूप से छात्राओं की अध्ययन आदतों के विकास हेतु प्रयास करने चाहिए, जिससे उनके सर्वांगीण शैक्षिक एवं व्यक्तित्व विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

परिसीमन

1. प्रस्तुत अध्ययन केवल अमरोहा जनपद की उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं तक सीमित था।
2. अध्ययन में केवल ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की एकल तथा संयुक्त परिवार की छात्राओं को शामिल किया गया।
3. अध्ययन हेतु चयनित नमूना 200 छात्राओं तक सीमित रखा गया।
4. अध्ययन में केवल अध्ययन आदतों से संबंधित तथ्यों का विश्लेषण किया गया।
5. अध्ययन के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया, अतः निष्कर्ष उसी तक सीमित हैं।

सुझाव

1. ग्रामीण क्षेत्रों में छात्राओं के लिए पुस्तकालय, अध्ययन केंद्र तथा डिजिटल शिक्षण सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके।
2. अभिभावकों को छात्राओं की शिक्षा एवं अध्ययन आदतों के महत्व के प्रति जागरूक करने हेतु समय-समय पर अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
3. विद्यालयों में छात्राओं के लिए समय प्रबंधन, अध्ययन कौशल, परीक्षा तैयारी एवं आत्म-अनुशासन से संबंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
4. ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को तकनीकी संसाधनों जैसे इंटरनेट, स्मार्ट कक्षाएँ एवं ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए विशेष योजनाएँ संचालित की जानी चाहिए।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

5. संयुक्त परिवारों की सकारात्मक विशेषताओं जैसे सहयोग, अनुशासन एवं सामूहिक अध्ययन की भावना को विद्यालयी वातावरण में भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
6. एकल परिवार की छात्राओं को भावनात्मक एवं शैक्षिक सहयोग प्रदान करने हेतु विद्यालयों में परामर्श सेवाओं की व्यवस्था की जानी चाहिए।
7. छात्राओं को नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने हेतु विद्यालयों द्वारा अध्ययन समय-सारिणी एवं स्व-अध्ययन कार्यक्रम तैयार किए जाने चाहिए।
8. आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति एवं निःशुल्क अध्ययन सामग्री की व्यवस्था की जानी चाहिए।
9. शिक्षकों को छात्राओं की व्यक्तिगत अध्ययन समस्याओं की पहचान कर उन्हें उचित शैक्षिक मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए।
10. अभिभावकों एवं शिक्षकों के मध्य समन्वय स्थापित कर छात्राओं के लिए सकारात्मक एवं प्रेरणादायक अध्ययन वातावरण विकसित किया जाना चाहिए।

निहितार्थ

1. ग्रामीण क्षेत्रों में छात्राओं के लिए पुस्तकालय, डिजिटल शिक्षण सामग्री एवं अध्ययन केंद्रों की व्यवस्था की जानी चाहिए।
2. अभिभावकों को छात्राओं की अध्ययन आदतों के विकास हेतु जागरूक किया जाना चाहिए।
3. विद्यालयों में समय प्रबंधन, अध्ययन कौशल एवं आत्म-अनुशासन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
4. संयुक्त परिवारों की सकारात्मक विशेषताओं जैसे सहयोग एवं अनुशासन को विद्यालयी वातावरण में भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. अली, एस., एवं खान, एम. (2021). ग्रामीण एवं शहरी छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 8(2), 45–52।
2. अंसारी, एफ., एवं मलिक, आर. (2020). छात्राओं की अध्ययन आदतों पर पारिवारिक वातावरण का प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशनल डेवलपमेंट, 6(1), 21–29।
3. गुप्ता, एन. (2019). संयुक्त एवं एकल परिवार का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव। जर्नल ऑफ सोशल एंड एजुकेशनल स्टडीज, 5(3), 67–74।
4. चौहान, पी., एवं वर्मा, एस. (2022). ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की अध्ययन समस्याओं का विश्लेषण। भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका, 11(2), 58–66।
5. जैन, आर., एवं सक्सेना, डी. (2021). अध्ययन आदतों एवं परीक्षा उपलब्धि के मध्य संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 9(3), 102–110।
6. तिवारी, एम., एवं सिंह, पी. (2018). उच्च माध्यमिक छात्राओं में अध्ययन व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 7(4), 41–49।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

7. दुबे, आर. (2020). शहरी परिवेश एवं विद्यार्थियों की अध्ययन प्रवृत्तियाँ। एजुकेशनल फोरम जर्नल, 14(1), 73–81।
8. पाण्डेय, एस., एवं यादव, आर. (2022). छात्राओं की अध्ययन आदतों में सामाजिक परिवेश की भूमिका। जर्नल ऑफ मॉडर्न एजुकेशन, 10(2), 55–63।
9. फातिमा, एन., एवं अली, एस. (2019). अध्ययन आदतें एवं शैक्षिक उपलब्धि का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड एजुकेशन, 4(2), 88–95।
10. बघेल, वी., एवं शर्मा, एल. (2021). ग्रामीण एवं शहरी विद्यालयों की छात्राओं की अधिगम शैली का अध्ययन। भारतीय मनोवैज्ञानिक समीक्षा, 15(3), 36–44।
11. मिश्रा, पी., एवं तिवारी, ए. (2020). एकल एवं संयुक्त परिवार की छात्राओं की अध्ययन आदतों का तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 12(1), 91–99।
12. राय, डी., एवं श्रीवास्तव, के. (2019). पारिवारिक संरचना एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल रिसर्च, 8(4), 62–70।
13. शर्मा, डी. (2021). ग्रामीण शिक्षा एवं छात्राओं की अधिगम समस्याएँ। एशियन जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 14(2), 25–31।
14. शर्मा, पी., एवं गुप्ता, आर. (2022). उच्च माध्यमिक छात्राओं की अध्ययन आदतों पर अभिभावकीय सहयोग का प्रभाव। जर्नल ऑफ कंटेम्परेरी एजुकेशन, 9(1), 48–57।
15. सिंह, वी., एवं यादव, आर. (2022). उच्च माध्यमिक छात्राओं की अध्ययन आदतों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण। इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 10(4), 88–96।
16. सक्सेना, एम., एवं चौधरी, एन. (2018). अध्ययन आदतों एवं समय प्रबंधन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव। जर्नल ऑफ एजुकेशनल इनोवेशन, 3(2), 19–27।
17. हुसैन, ए., एवं परवीन, एस. (2021). छात्राओं की शिक्षा में पारिवारिक समर्थन की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 6(3), 77–84।